



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 02 सितंबर, 2026

जारी करने का समय: 1315 घंटे

विषय: (i) उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और आस-पास के इलाकों में बने सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र के असर से, 2 सितंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, गंगीय पश्चिम बंगाल और बिहार में; 2 से 4 सितंबर के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 2 से 3 सितंबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 3 सितंबर को विदर्भ में और 2 से 5 सितंबर के बीच पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 2 और 3 सितंबर, 2026 को पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की भी संभावना है।

(ii) अगले एक हफ़्ते तक प्रायद्वीपीय भारत में बारिश की गतिविधियां कम रहने की संभावना है।

आज, 02 सितंबर, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ उत्तराखंड, झारखंड और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा बारिश (20 cm से ज़्यादा) दर्ज की गई है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश (12-20 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, असम और नागालैंड में कुछ जगहों पर भारी बारिश (7-11 cm) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ औसत समुद्र तल पर मानसून गर्त अपनी सामान्य स्थिति के करीब है।
- ❖ कल का सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र गंगीय पश्चिम बंगाल और उत्तरी तटीय ओडिशा, झारखंड और उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के आसपास के क्षेत्रों में आज, 02 सितंबर, 2026 को 0830 IST पर पूर्वोत्तर मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्र पर बना हुआ है। अगले 12 घंटों के दौरान इसके निम्न दाब क्षेत्र बनने की संभावना है और अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिण उत्तर प्रदेश और उत्तरी मध्य प्रदेश में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ना जारी रहेगा।
- ❖ निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक ट्रफ रेखा उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश से बांग्लादेश तक बनी हुई है।
- ❖ एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तर पर पूर्वोत्तर अरब सागर और निकटवर्ती सौराष्ट्र पर बना हुआ है।
- ❖ एक गर्त रेखा पूर्वोत्तर अरब सागर और उससे सटे सौराष्ट्र के ऊपर बने चक्रवाती परिसंचरण से लेकर पूर्वोत्तर मध्य प्रदेश और आसपास के निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तर पर अच्छी तरह से चिह्नित निम्न दबाव क्षेत्र से जुड़े चक्रवाती परिसंचरण तक चलती है।
- ❖ एक पश्चिमी विक्षोभ मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर लगभग 70°E देशांतर के साथ और 30°N अक्षांश के उत्तर में एक गर्त के रूप में मौजूद है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में 2 और 5 सितंबर को; हिमाचल प्रदेश में 2-5 सितंबर के दौरान; उत्तराखंड में 2-8 सितंबर के दौरान काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 3-4 सितंबर के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 2-5 सितंबर के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 2 सितंबर और 6-7 सितंबर के दौरान काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में 3-4 सितंबर और 6-8 सितंबर के दौरान; हिमाचल प्रदेश में 6-8 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ पूर्वी राजस्थान और पंजाब में 2-8 सितंबर के दौरान; हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 2 सितंबर और 5-8 सितंबर के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 6-8 सितंबर के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 3-5 सितंबर और 8 सितंबर को; पश्चिमी राजस्थान में 3-6 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में 2-3 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, जो 50 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ पूर्वी राजस्थान में 4-6 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, जो 50 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ उत्तराखंड में 2-8 सितंबर के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 2-3 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में 2-3 सितंबर के दौरान; उत्तराखंड में 3-8 सितंबर के दौरान; हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में 2-5 सितंबर के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 4 सितंबर को कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान में 4-5 सितंबर के दौरान; साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में 2 सितंबर को; और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 2-3 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 2-8 सितंबर के दौरान; विदर्भ में 2-6 सितंबर के दौरान; छत्तीसगढ़ में 2 सितंबर और 7-8 सितंबर के दौरान काफी बड़े इलाके में या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ विदर्भ में 7-8 सितंबर के दौरान; छत्तीसगढ़ में 3-6 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 2-6 सितंबर के दौरान; विदर्भ में 2-4 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 2-7 सितंबर के दौरान; पूर्वी मध्य प्रदेश में 2-3 सितंबर और 6-7 सितंबर के दौरान; विदर्भ में 2 और 4 सितंबर को; छत्तीसगढ़ में 3 सितंबर को कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही पूर्वी मध्य प्रदेश में 4-5 सितंबर के दौरान; विदर्भ में 3 सितंबर को; छत्तीसगढ़ में 2 सितंबर को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश में 2 और 3 सितंबर को कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 2-8 सितंबर के दौरान; बिहार और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 2-3 सितंबर और 8 सितंबर को; झारखंड में 2 सितंबर को काफी बड़े इलाके में या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ बिहार और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 4-7 सितंबर के दौरान; झारखंड में 3-8 सितंबर के दौरान; ओडिशा में 2-8 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ झारखंड और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 2-4 सितंबर के दौरान; गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 2-3 सितंबर के दौरान; बिहार और ओडिशा में 2-6 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।

- ❖ 4 से 8 सितंबर के दौरान सब-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 2 और 8 सितंबर को गांगेय पश्चिम बंगाल और झारखंड में; 3 से 4 सितंबर के दौरान बिहार में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 2 से 3 सितंबर के दौरान सब-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में साथ ही गंगेय पश्चिम बंगाल और 2 सितंबर को बिहार में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 2-8 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश और असम व मेघालय में; 2-6 सितंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 7-8 सितंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2-8 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम व त्रिपुरा में; 3-8 सितंबर के दौरान असम व मेघालय में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 2 सितंबर को असम व मेघालय में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 2-8 सितंबर के दौरान कोंकण और गोवा में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2-8 सितंबर के दौरान गुजरात क्षेत्र, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और सौराष्ट्र व कच्छ में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 3-5 सितंबर के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 2-4 सितंबर के दौरान मराठवाड़ा में कहीं-कहीं आंधी और बिजली गिरने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 2-8 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, केरल और माहे, लक्षद्वीप, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा तेलंगाना में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2-8 सितंबर के दौरान तटीय कर्नाटक में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2-5 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा रायलसीमा में कहीं-कहीं आंधी, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है; साथ ही 2-3 सितंबर के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में; और 6 सितंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा रायलसीमा में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, जो 50 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ 2-6 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा रायलसीमा में ज़मीन के पास तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। कर्नाटक और तेलंगाना के अंदरूनी इलाकों में 2 और 3 सितंबर को।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ अरब सागर: 7 सितंबर तक सोमालिया तट के पास और उससे दूर; 5 सितंबर तक पश्चिम-मध्य और दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 5 से 7 सितंबर के दौरान पश्चिम-मध्य और दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में; और 2 सितंबर को ओमान तट के पास और उससे दूर।
- ❖ बंगाल की खाड़ी: 4 सितंबर तक दक्षिण तमिलनाडु तट के पास, कोमोरिन इलाके से सटे मन्नार की खाड़ी के कुछ हिस्सों में और दक्षिण श्रीलंका तट से सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

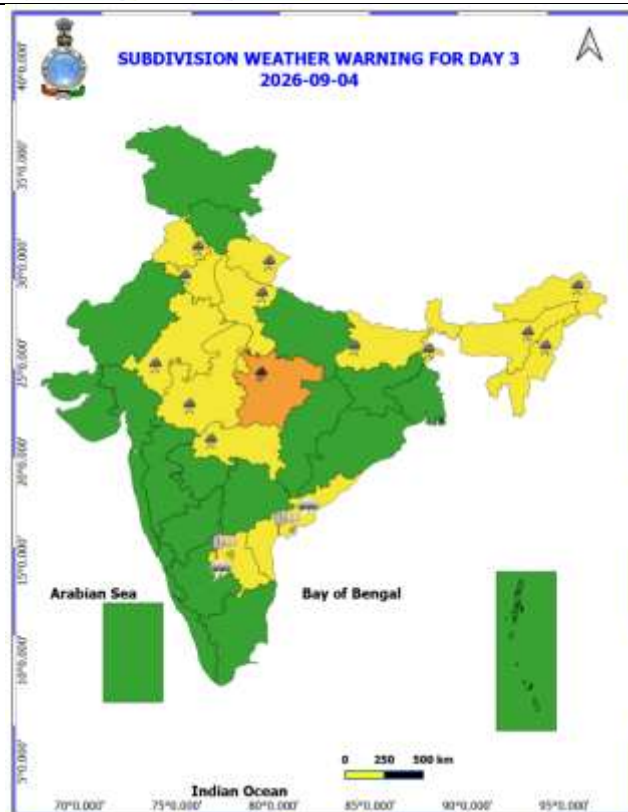
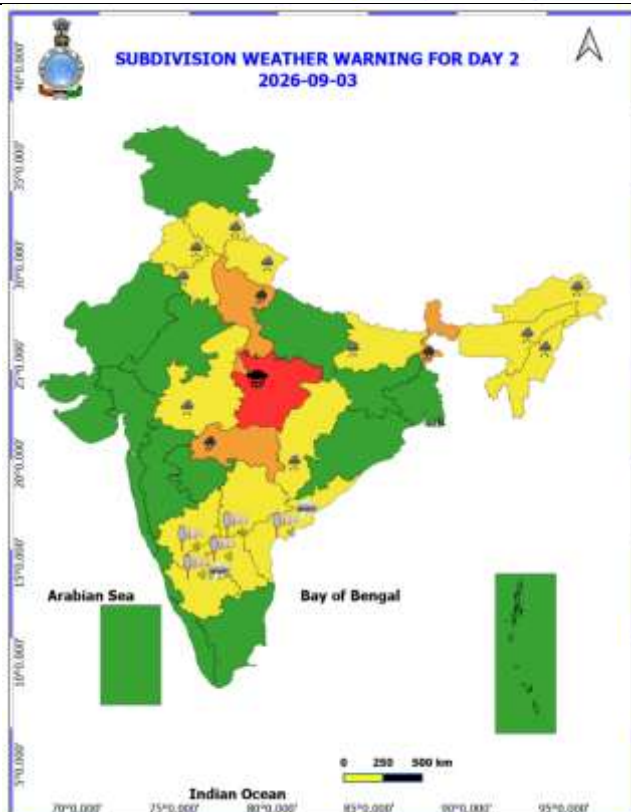
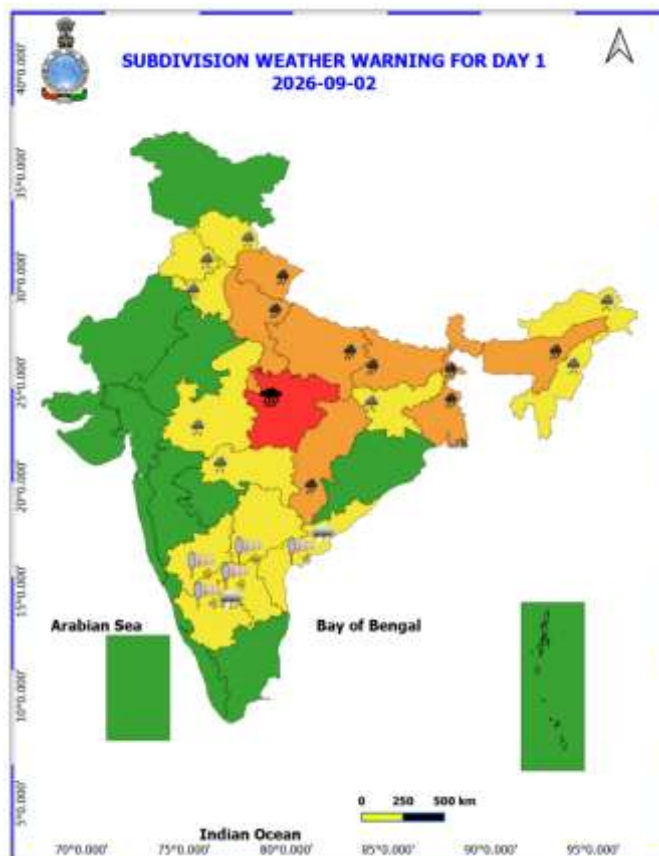
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

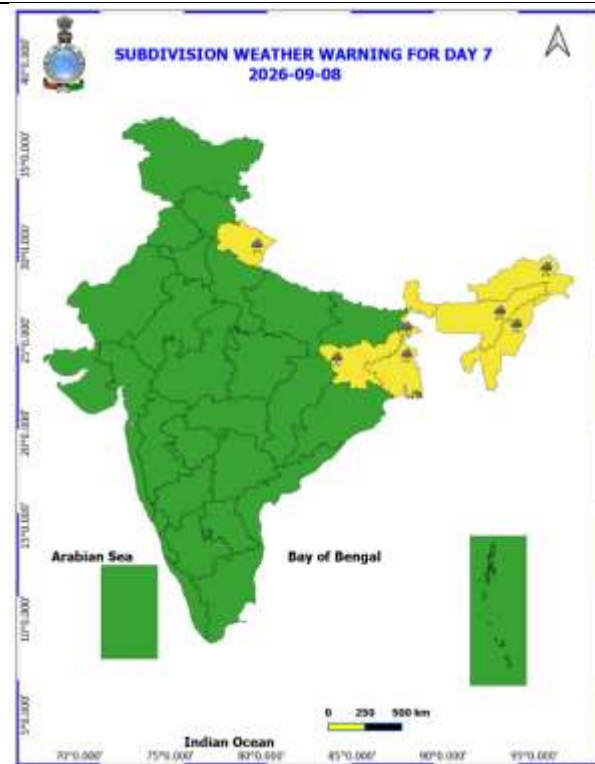
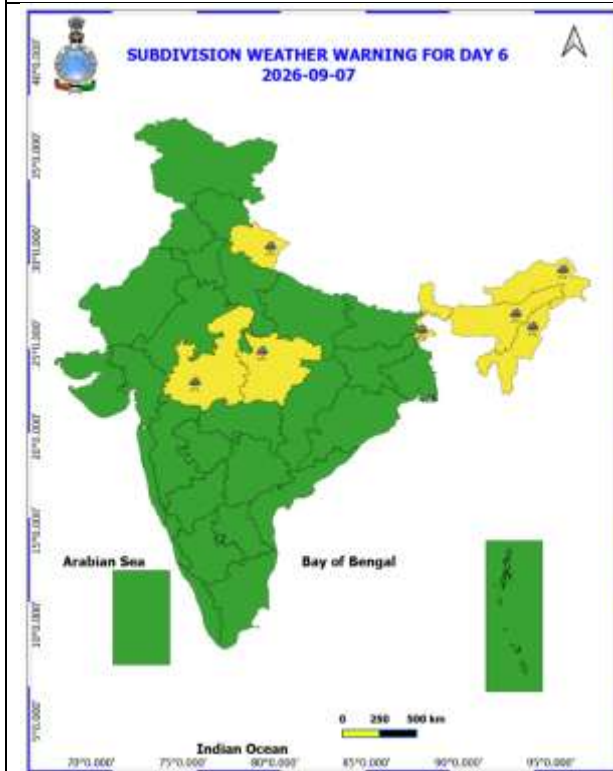
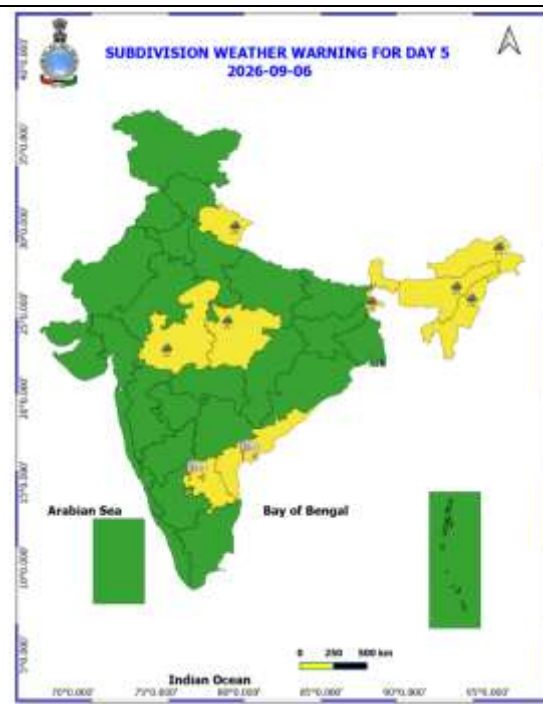
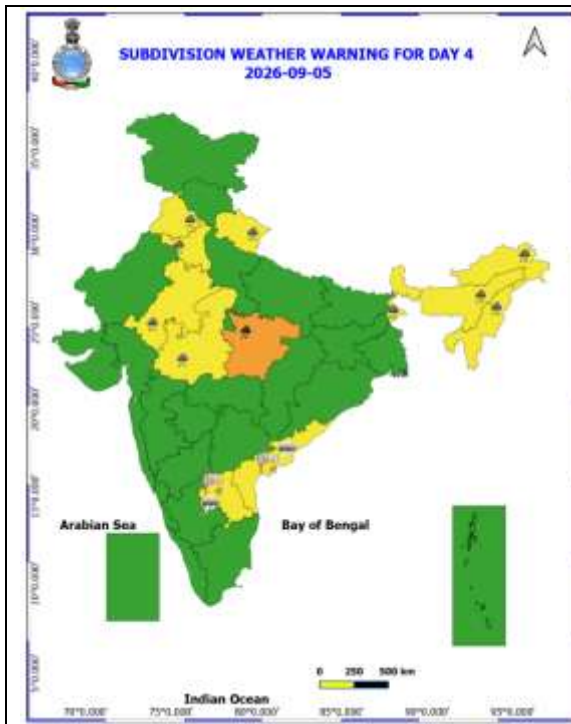
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- ❖ गंगीय पश्चिम बंगाल: श्रीनिकेतन 26
- ❖ झारखंड: रांची 22
- ❖ उत्तराखंड: नैनीताल 22
- ❖ हिमाचल प्रदेश: नैने दावी (जिला बिलासपुर) 19
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: मिर्जापुर सीडब्ल्यूसी (मिर्जापुर) 16
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: नईगढ़ (मऊगंज) 15
- ❖ छत्तीसगढ़: कोरिया 14
- ❖ बिहार: औरंगाबाद 14
- ❖ जम्मू-कश्मीर: पी/टी कठुआ 10
- ❖ असम: लंका (एआरजी) 10
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: लोंगडिंग 8
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: आंवला (बरेली) 8
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: कलिम्पोंग 7
- ❖ नागालैंड: AWS नेरहेमा 7।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	2- Sep	3- Sep	4- Sep	5- Sep	6- Sep	7- Sep	8- Sep
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
7	ODISHA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
8	JHARKHAND	WS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT
9	BIHAR	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL
12	UTTARAKHAND	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
14	PUNJAB	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WS	SCT	SCT	FWS	SCT	ISOL	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

02 सितंबर से 05 सितंबर 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1°C की बढ़ोतरी हुई है और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान $34-36^{\circ}\text{C}$ और न्यूनतम तापमान $24-28^{\circ}\text{C}$ के बीच रहा। न्यूनतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C), कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C), कुछ जगहों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से या आमतौर पर बादल छाए रहे और दक्षिण-पूर्व दिशा से 22 किमी/घंटा की गति से हवा चली, जिसकी रफ्तार कभी-कभी 40 किमी/घंटा तक पहुंच गई। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई और एक-दो जगहों पर भारी बारिश भी हुई। आज सुबह के समय इस इलाके में आमतौर पर बादल छाए रहने और पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा तक की गति से हवा चलने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

02.09.2026: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ आंधी-तूफान/बिजली कड़कने और कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। रात के समय कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान $32-34^{\circ}\text{C}$ के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 12 किमी/घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

03.09.2026: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दोपहर से शाम के बीच भी कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32°C से 34°C और न्यूनतम तापमान 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 12 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

04.09.2026: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दोपहर से शाम के बीच भी कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 31°C से 33°C और न्यूनतम तापमान 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 25 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

05.09.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32°C से 34°C और न्यूनतम तापमान 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति कम होकर 18 किमी/घंटा तक रह जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति और कम होकर 15 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 2 और 3 सितंबर को पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2 सितंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, गंगीय पश्चिम बंगाल और बिहार में; 2 से 4 सितंबर के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 2 और 3 सितंबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 3 सितंबर को विदर्भ में और 4 व 5 सितंबर को पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की बहुत संभावना है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, चावल, मक्का, बाजरा, सोयाबीन, लोबिया, सब्जियों और बगीचों में अतिरिक्त पानी निकालने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखें। बाजरे के खेतों में बाल आने और फूल आने के दौरान अच्छी तरह से सूखा रखें और कीटों और बीमारियों के प्रकोप के लिए फसलों की निगरानी करें।
- ❖ असम और मेघालय में, फसल के खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखें और वर्षा के दौरान उर्वरक और पौधों की सुरक्षा के अनुप्रयोगों को स्थगित कर दें। अरहर, मूंग और तिल की बुआई केवल वहीं जारी रखें जहाँ खेत की परिस्थितियाँ उपयुक्त हों और जूट की कटाई छोटी फली अवस्था में करें।
- ❖ नागालैंड में, गीले चावल के खेतों में 3-5 सेमी जल स्तर बनाए रखें और उपयुक्त मौसम के दौरान परिपक्व मक्के की कटाई करें।
- ❖ मणिपुर में, बारिश रहित अवधि के दौरान अरबी और परिपक्व अदरक की कटाई करें और अदरक के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- ❖ मिजोरम में मक्के की फसल के बाद काले चने, हरे चने, सोयाबीन, तिल और मसूर की बुआई के लिए खेत तैयार करें। अदरक के खेतों में जल निकासी सुनिश्चित करें और नरम-सड़न और प्रकंद-सड़न की घटनाओं को कम करने के लिए पानी के ठहराव को रोकें।

- ❖ त्रिपुरा में, औस चावल में पुष्पगुच्छ आरंभ और बूटिंग के दौरान पर्याप्त मिट्टी की नमी बनाए रखें, जबकि ठहराव को रोकने के लिए निचले स्तर के मूंगफली के खेतों में जल निकासी सुनिश्चित करें।
- ❖ झारखंड में, सभी फसलों में उचित जल निकासी बनाए रखें और सब्जियों की पौध को भारी वर्षा से बचाएं। काटी गई उपज को सुरक्षित, सूखे स्थानों पर रखें और चावल, मक्का और लाल चने में कीट और बीमारी के प्रकोप की निगरानी करें।
- ❖ बिहार में, खड़ी फसलों में उचित जल निकासी बनाए रखें और अत्यधिक गीली परिस्थितियों में खेत में काम करने से बचें। लंबे समय तक रुके रहने से बचते हुए रोपाई किए गए धान में पानी का उचित ठहराव बनाए रखें।
- ❖ पश्चिम बंगाल में, चावल, सब्जी के खेतों, बगीचों और नर्सरी में जल निकासी चैनलों को साफ रखें। सब्जियों की पौध को भारी बारिश से बचाएं, कद्दूवर्गीय पौधों के आसपास जल निकासी में सुधार करें और गीली स्थितियों के दौरान नाइट्रोजन के प्रयोग से बचें।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में, अदरक और हल्दी के खेतों में जल निकासी चैनलों को साफ और कार्यात्मक रखें और मक्के के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल को तुरंत निकालना सुनिश्चित करें। जहां भी खेत की स्थिति अनुकूल हो वहां खीरा, लौकी, करेला, सर्पगंधा, तुरई और स्पंज लौकी जैसी परिपक्व सब्जियों की कटाई करें और काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें।
- ❖ पंजाब और हरियाणा में, खड़ी फसल वाले खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखें और निचले इलाकों से अतिरिक्त वर्षा जल को तुरंत हटा दें।
- ❖ उत्तराखंड में, जहां वर्षा पर्याप्त है, चावल में सिंचाई से बचें और गन्ने और मक्के के खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखें। जल निकासी चैनलों को साफ रखें और लंबी फसलों और सब्जियों को रुकने से रोकने के लिए सहायता प्रदान करें।
- ❖ उत्तर प्रदेश में, खड़ी फसल वाले खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और गीली स्थितियों के दौरान सिंचाई, अंतर-कृषि संचालन, उर्वरक और पौधों की सुरक्षा के अनुप्रयोगों को स्थगित कर दें। युवा पौधों, सब्जियों और बागवानी फसलों को स्टेकिंग/समर्थन प्रदान करें।
- ❖ मध्य प्रदेश में, जलभराव को रोकने के लिए सोयाबीन, कपास, मक्का और गन्ने के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें; सब्जियों की रोपाई स्थगित करें और युवा फलों के पौधों को सहायता प्रदान करें। आवास को कम करने के लिए गन्ने में प्रोपिंग का कार्य करें।
- ❖ छत्तीसगढ़ में जल जमाव को रोकने के लिए चावल, मक्का, मूंगफली, छोटे बाजरा, दालों और सब्जियों के खेतों में निरंतर और प्रभावी जल निकासी सुनिश्चित करें। निचले स्तर के मक्के, अदरक, हल्दी और सब्जियों के खेतों में जल निकासी नालियों को साफ करें और कद्दू, टमाटर और शिमला मिर्च के लिए रोकथाम/समर्थन प्रदान करें।
- ❖ विदर्भ में, सोयाबीन, कपास, मक्का और अन्य खड़ी फसल वाले खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखें और अतिरिक्त वर्षा जल को तुरंत हटा दें। जब तक मिट्टी काम करने लायक न हो जाए और युवा सब्जियों और अन्य कमजोर फसलों को आश्रय प्रदान न कर दे, तब तक उर्वरक, पौधों की सुरक्षा और अंतर-सांस्कृतिक कार्यों को स्थगित कर दें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ काटी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या उपज को खेतों में तिरपाल शीट से ढक दें। कटी हुई फसलों को मजबूती से बांधें और ढक दें ताकि तेज़ हवाओं से उनके हिलने का खतरा कम हो।
- ❖ बागवानी वाली फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्जियों और छोटे फलों वाले पौधों / फल देने वाले पौधों को तेज़ हवाओं से गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।

पशुधन / मुर्गी पालन / मछली पालन

- ❖ भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- ❖ चारा और चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ तालाबों के चारों ओर सही जाल लगाकर एक आउटलेट बनाएं ताकि ज़्यादा पानी निकल जाए, जिससे ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल सकें।

अचानक आने वाली बाढ़ के बारे में जानकारी

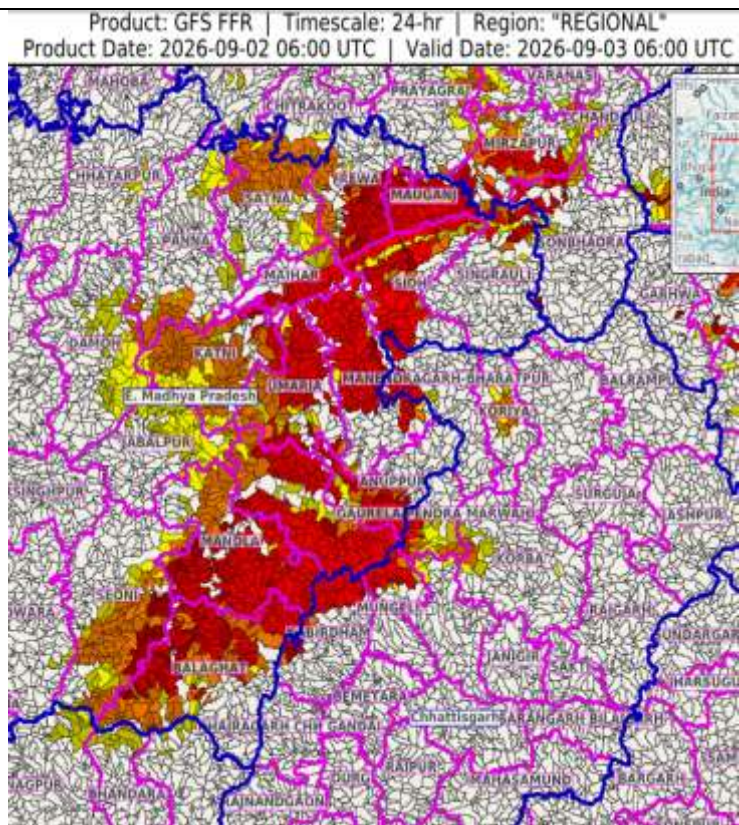
03-09-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) का खतरा:

अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम उप-क्षेत्रों (Met Sub-divisions) के कुछ जल-ग्रहण क्षेत्रों (watersheds) और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का खतरा कम से मध्यम रहने की संभावना है।

पूर्वी मध्य प्रदेश: अनूपपुर, बालाघाट, डिंडोरी, कटनी, मैहर, मंडला, मऊगंज, रीवा, सिंगरौली, सीधी, उमरिया, जबलपुर, पन्ना, सतना और दमोह जिले

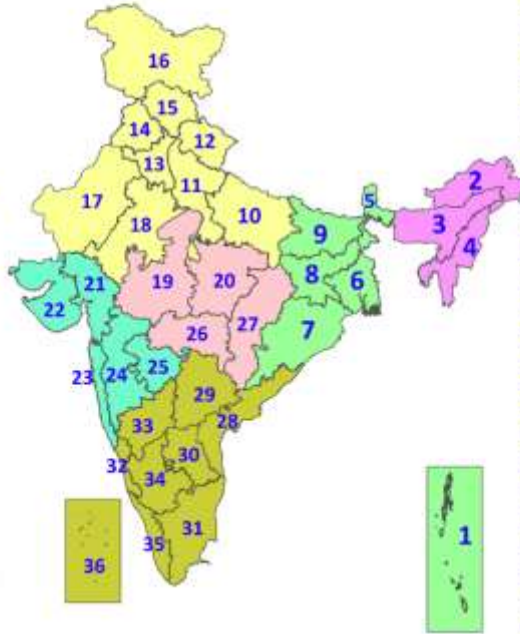
पूर्वी उत्तर प्रदेश: मिर्जापुर, प्रयागराज, सोनभद्र और चित्रकूट जिले

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी (saturated soils) और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने (surface runoff) या जलभराव (inundation) की स्थिति बन सकती है।



LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm *
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)